नेपाल जल त्रासदी में बागेश्वर धाम ने बढ़ाया मदद का हाथ

- महाराज के आह्वान पर सक्रिय हुआ शिष्य मंडल, 4 ट्रक राहत सामग्री भेजी
- चावल-दाल से लेकर तिरपाल और जरूरी घरेलू सामान तक पहुंचाया

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 2 सितंबर. नेपाल में आई भीषण त्रासदी के बाद संकट में फंसे परिवारों की मदद के लिए बागेश्वर धाम ने मानवीय पहल की है. बागेश्वर महाराज धीरेंद्र शास्त्री के आह्वान पर बागेश्वर धाम जन सेवा समिति के सहयोग से राहत सामग्री से भरे चार ट्रक नेपाल भेजे गए. नेपाल पहुंचे बागेश्वर धाम के प्रतिनिधि मनोज त्रिवेदी ने नेपाल शिष्य मंडल के साथ यह राहत सामग्री नेपाल सरकार के गृह मंत्रालय को सौंपी.

राहत सामग्री में पीड़ित परिवारों की तत्काल जरूरतों को ध्यान में रखते हुए चावल, दाल, तिरपाल, मसाले, नमक, पानी, सोयाबीन तेल, बिस्कुट और नमकीन के साथ थाली, गिलास और कटोरी जैसी घरेलू उपयोग की सामग्री शामिल की गई है. उद्देश्य ऐसे परिवारों तक भोजन और जरूरी सामान पहुंचाना है, जिन्होंने त्रासदी में अपना सब कुछ गंवा दिया है और इस समय बुनियादी जरूरतों के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं.

त्रासदी के समय महाराज जापान में थे. नेपाल में संकट की खबर मिलते ही उन्होंने वहां रह रहे नेपाली नागरिकों और बागेश्वर धाम शिष्य मंडल से संपर्क किया तथा बिना समय गंवाए सेवा कार्य शुरू करने के निर्देश दिए. इसके बाद बागेश्वर धाम से राहत सामग्री जुटाकर चार ट्रकों के माध्यम से नेपाल भेजी गई. प्रतिनिधियों ने वहां पहुंचकर सामग्री नेपाल सरकार को सौंपी.

महाराज का कहना है

बागेश्वर महाराज धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि भारत और नेपाल का संबंध केवल सीमा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मीयता और भावनाओं का रिश्ता है. पड़ोसी देश संकट में हो तो उसके साथ खड़ा होना ही सच्ची मानवता है. नेपाल सरकार की ओर से भी राहत कार्य के लिए बागेश्वर महाराज और बागेश्वर धाम जन सेवा समिति के प्रति आभार जताया गया है. संकट की घड़ी में पहुंची यह मदद प्रभावित परिवारों के लिए तत्काल राहत के साथ उम्मीद का सहारा भी बनी है.

11 पुलिस अधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

- एसपी ने जिले की पुलिस व्यवस्था में किया फेरबदल

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 2 सितंबर जिले में पुलिस व्यवस्था में फेरबदल करते हुए पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने 11 पुलिस अधिकारियों के तबादले किए हैं. आदेश के तहत 3 निरीक्षकों और 8 उप निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है.

सभी को तत्काल नई पदस्थापना पर पहुंचकर कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं. निरीक्षक उदयवीर सिंह तोमर को पुलिस लाइन से थाना प्रभारी चंदला बनाया गया है, जबकि चंदला थाना प्रभारी श्रद्धा शुक्ला को भगवां की जिम्मेदारी सौंपी गई है. वहीं पुलिस लाइन से निरीक्षक माधव शर्मा को थाना प्रभारी राजनगर नियुक्त किया गया है.

उप निरीक्षक सुमित सुमन को चौकी प्रभारी चन्द्रनगर से थाना प्रभारी बम्हौरी, राजेन्द्र जाटव को हिनौता से गोयरा, राहुल तिवारी को सरवई से हिनौता और संजय पाण्डेय को बंशिया से चन्द्रनगर चौकी प्रभारी बनाया गया है. कुलदीप सिंह जादौन को कोतवाली से बंशिया, अभिषेक पाण्डेय को बमनौरा से सरवई और अतुल झा को राजनगर से कोतवाली भेजा गया है.

इसके अलावा उप निरीक्षक महेश पाण्डेय को बक्सवाहा से थाना प्रभारी शाहगढ़ की जिम्मेदारी दी गई है.

तीन महीने में दिया दो महीने का राशन

- प्रति कार्ड करीब 2 किलो अनाज कम तौलने की शिकायत
- मशीन की रसीद के बजाय हाथ से लिखी पर्ची देने का आरोप

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 2 सितंबर. बिजावर क्षेत्र के लखनगुवां में शासकीय राशन दुकान पर ग्रामीणों ने अनियमितता के आरोप लगाए हैं. बुधवार को ग्रामीणों ने शिकायत करते हुए बताया कि राशन वितरण में उन्हें निर्धारित मात्रा से कम अनाज दिया जा रहा है. ग्रामीणों ने मामले की जांच कर दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की मांग की है.

ग्रामीणों का आरोप है कि डीलर द्वारा तीन महीने में केवल दो महीने का राशन दिया जाता है. इसके अलावा प्रत्येक राशन कार्ड पर करीब दो किलो अनाज कम तौलने की शिकायत भी की गई है. इससे पात्र हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न नहीं मिल पा रहा है.

ग्रामीणों के मुताबिक राशन लेने के बाद मशीन से मिलने वाली पक्की रसीद देने के बजाय हाथ से लिखी हुई पर्ची दी जाती है. इससे राशन वितरण की प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं. ग्रामीणों ने प्रशासन से राशन दुकान के स्टॉक और वितरण रिकॉर्ड की जांच कराने की मांग की है. उनका कहना है कि जांच में अनियमितता सामने आने पर संबंधित डीलर के खिलाफ कार्रवाई की जाए और हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा में राशन उपलब्ध कराया जाए.

बस स्टैंड के पास आवारा सांडों का आतंक

छतरपुर. शहर के बस स्टैंड के पास बुधवार सुबह आवारा सांडों के आतंक से राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई. दो सांड अचानक आपस में भिड़ गए और काफी देर तक सड़क पर संघर्ष करते रहे. इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई. संघर्ष के दौरान एक सांड गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गया. घटना का वीडियो सुबह करीब 9:45 बजे सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने शहर में बढ़ती आवारा मवेशियों की समस्या को लेकर नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं.

बदहाल सड़कों पर कांग्रेस ने जताई नाराजगी

- कलेक्टर और एसडीएम को सौंपा ज्ञापन
- सड़कों पर मवेशियों से हादसों की आशंका

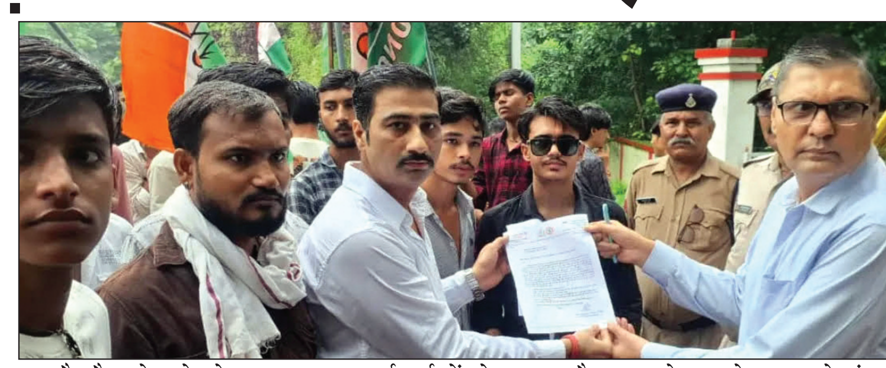

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 2 सितंबर. शहर की बदहाल सड़कों, सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं और नगर पालिका की कार्यप्रणाली को लेकर बुधवार को कांग्रेस युवा सेवादल ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा. जिला अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर और एसडीएम को ज्ञापन देकर शहर की प्रमुख समस्याओं के जल्द निराकरण की मांग की.

ज्ञापन में कहा गया कि बारिश के कारण बस स्टैंड से पन्ना नाका तक का मार्ग जगह-जगह उखड़ गया है और बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं. अस्थायी मरम्मत बारिश और भारी वाहनों के दबाव में टिक नहीं पा रही है.

सेवादल ने आरोप लगाया कि खस्ताहाल सड़क के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं. त्योहारों के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए मार्ग का स्थायी और गुणवत्तापूर्ण निर्माण जल्द कराने की मांग की गई.

कार्यकर्ताओं ने शहर और हाईवे पर घूम रहे आवारा पशुओं को भी हादसों का कारण बताया. उन्होंने गौशालाओं का निरीक्षण कर पशुओं को सुरक्षित पहुंचाने और वार्ड-मोहल्लों में टीम गठित कर कार्रवाई करने की मांग की. इसके साथ ही बंद पड़े सार्वजनिक शौचालयों की व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही.

सेवादल ने प्रशासन से मांग की कि बारिश और आगामी त्योहारों को देखते हुए शहर की इन समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण कराया जाए, ताकि आमजन को आवागमन में परेशानी न हो और सड़क हादसों पर भी रोक लग सके. ज्ञापन सौंपने के दौरान यंग ब्रिगेड सेवादल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे.

एक नजर में

निर्माणाधीन रेल पुल का डीआरएम ने किया निरीक्षण

हरपालपुर. झांसी- मानिकपुर रेलखंड के दोहरीकरण कार्य को गति देने के क्रम में मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने बेतवा नदी पर निर्माणाधीन रेल पुल का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने पुल की अधिसंरचना, निर्माण कार्य की प्रगति तथा गर्डर लॉन्चिंग की प्रक्रिया का विस्तृत जायजा लिया, निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने पुल के विभिन्न निर्माण स्थलों का अवलोकन करते हुए कार्य की गुणवत्ता, निर्माण की गति एवं निर्धारित मानकों के अनुपालन की जानकारी ली. उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों से कार्य की प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उल्लेखनीय है कि बेतवा नदी पर पुल निर्माणाधीन झांसी-मानिकपुर दोहरीकरण परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. पुल की अधिसंरचना एवं गर्डर लॉन्चिंग का कार्य रेल लाइन के दोहरीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण चरण है. डीआरएम ने कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य को आगे बढ़ाने पर जोर दिया. इसी के साथ रोरा और हरपालपुर स्टेशन के बीच पड़ने वाले लहचूरा - धसान नदी पुल निर्माण के दोहरीकरण के कार्य ने गति पकड ली है.

बिला गांव में बालक को सांप ने काटा, मौत

छतरपुर. राजनगर थाना क्षेत्र के बिला गांव में बुधवार सुबह करीब 7 बजे खेलते समय बालक मयंक अहिरवार को सांप ने काट लिया. सर्पदंश के बाद परिजन उसे उपचार के लिए छतरपुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद बालक को मृत घोषित कर दिया. अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

रनेह फॉल में तेज हुआ जलप्रवाह

- स्थानीय प्रशासन ने जारी किया अलर्ट
- नदी किनारे जाने से बचने की अपील

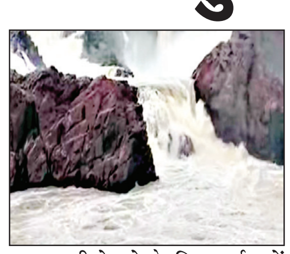

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 2 सितंबर. जिले में लगातार बारिश के बाद प्रसिद्ध रनेह फॉल में जलप्रवाह तेज हो गया है. केन नदी का जलस्तर बढ़ने से चट्टानी घाटियों के बीच गिरते पानी का नजारा आकर्षक हो गया है.

बारिश के बाद फॉल की खूबसूरती देखने के लिए पर्यटकों की आवाजाही भी बढ़ रही है.

तेज जलप्रवाह के बीच नदी और फॉल क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर प्रशासन सतर्क है. पर्यटकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित सुरक्षित स्थानों से ही प्राकृतिक नजारे का आनंद लें और पानी के तेज बहाव वाले क्षेत्रों में जाने का जोखिम न उठाएं. प्रशासन ने लोगों को विशेष रूप से केन नदी के किनारे जाने और चट्टानों के आसपास खतरनाक स्थानों पर पहुंचने से बचने की सलाह दी है. बारिश के दौरान जलस्तर अचानक बढ़ने की संभावना को देखते हुए अतिरिक्त सावधानी बरतने को कहा गया है. प्रशासन का कहना है कि प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते समय सुरक्षा को प्राथमिकता देना जरूरी है. पर्यटकों से अपील की गई है कि वे चेतावनी और सुरक्षा निर्देशों का पालन करें.

केन-बेतवा प्रभावितों के लिए लगा शिविर

79 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच
10 बच्चों के मौके पर ही बनाए आधार कार्ड

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 2 सितंबर. केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित ग्राम डुंगरिया में ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए शिविर लगाया गया.

शिविर में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के 15, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का एक और लाड़ली लक्ष्मी योजना का एक आवेदन प्राप्त हुआ. इसके अलावा पशुशेड के लिए 18, वृद्धावस्था पेंशन के 2, खाद्यान्न पर्ची के 2 और गरीबी रेखा सूची में नाम जोड़ने के लिए एक आवेदन मिला. अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा. शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 26 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया, जबकि आयुष विभाग की टीम ने 53 हितग्राहियों की जांच कर नि:शुल्क दवाएं वितरित कीं. 79 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया. वहीं 10 बच्चों के मौके पर आधार कार्ड बनाए गए.

दो मेधावी छात्रों को मिली लैपटॉप की राशि

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 2 सितंबर. भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के कार्यक्रम में छतरपुर के उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1 के दो मेधावी छात्र शामिल हुए.

कक्षा 12वीं के कला संकाय के छात्र धीरेंद्र सिंह बुंदेला ने 97.2% अंक के साथ प्रदेश में तीसरा और हर्ष रावत ने 96.8% अंक के साथ छठा स्थान हासिल किया. मुख्यमंत्री ने पात्र विद्यार्थियों के खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से 25-25 हजार रुपए की लैपटॉप राशि अंतरित की. दोनों विद्यार्थियों ने उपलब्धि पर खुशी जताते हुए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया.

साईंराम कॉलोनी में दलदल से परेशानी

बच्चे नहीं जा पाते स्कूल, पढ़ाई भी हो रही प्रभावित

नवभारत न्यूज
लवकुशनगर, 2 सितंबर. नगर की साईंराम कॉलोनी में बरसात के दिनों में सड़क पर कीचड़ और दलदल होने के कारण वार्डवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

कॉलोनी में करीब 250 से अधिक परिवार निवास करते हैं, लेकिन यहां अभी तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं हो सका है. मिट्टी की सड़क होने के कारण बारिश होते ही जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन जाते हैं और पूरा रास्ता दलदल में तब्दील हो जाता है.

स्थानीय निवासियों ने बताया कि कॉलोनी में आने-जाने के लिए यही एकमात्र रास्ता है. दूसरा कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं होने के कारण बारिश के दौरान लोगों का पैदल चलना तो दूर, दोपहिया और चारपहिया वाहनों से निकलना भी मुश्किल हो जाता है. बारिश के बाद करीब 15 से 20 दिनों तक सड़क पर पानी और कीचड़ की स्थिति बनी रहती है.

सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को होती है. रास्ते में कीचड़ और पानी भरा होने के कारण कई बार बच्चे स्कूल तक नहीं जा पाते. वहीं, बुजुर्गों और महिलाओं को भी फिसलने तथा गिरने का खतरा बना रहता है.

इनका कहना है...

स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क निर्माण की मांग को लेकर पूर्व में कई बार संबंधित अधिकारियों और नगर परिषद से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ. लोगों का कहना है कि यदि फिलहाल पक्की सड़क का निर्माण संभव नहीं है तो कम से कम रास्ते पर मुरम और गिट्टी डलवाकर आवागमन के लायक बनाया जाए.

अव्यवस्था | वार्डों में गंदगी, बदबू और टूटी कुर्सियों से मरीज परेशान

अस्पताल में मरीजों के बेड पर टपक रहा पानी

नवभारत न्यूज
लवकुशनगर, 2 सितंबर. प्रदेश सरकार द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लगातार दावे किए जा रहे हैं, लेकिन लवकुशनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में व्यवस्थाओं की स्थिति इन दावों पर सवाल खड़े करती नजर आ रही है.

अस्पताल में इलाज कराने पहुंच रहे मरीजों को बदहाल व्यवस्थाओं के बीच उपचार कराने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है. अस्पताल में चिकित्सकों की पर्याप्त पदस्थापना होने के बावजूद सभी चिकित्सक नियमित रूप से ड्यूटी पर उपलब्ध नहीं रहते. मरीजों ने बताया कि कई बार अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों के मौजूद नहीं होने के कारण उन्हें निजी क्लीनिकों या डॉक्टरों के घर जाकर इलाज कराना पड़ता है.

अस्पताल के मरीज वार्डों में छत से पानी टपकने की समस्या भी सामने आई है. बीते रोज अस्पताल में इलाज कराने पहुंचे रवि विश्वकर्मा को बुखार होने पर भर्ती किया गया. मरीज को रस्सी के सहारे बोतल लगाकर फटे हुए बेड की चादर पर लेटाया गया था. इसी दौरान उसके बेड के ऊपर छत से पानी टपक रहा था. रवि विश्वकर्मा ने बताया कि बीमारी की हालत में अस्पताल में इलाज कराना मजबूरी है. छत से पानी टपकने के कारण पूरा शरीर भीग रहा है और काफी परेशानी हो रही है.

इनका कहना है...

गिलौहा निवासी प्रमोद यादव अपने परिवार के दो सदस्यों का इलाज कराने अस्पताल पहुंचे थे. उन्होंने बताया कि वार्ड में काफी गंदगी है और छत से पानी लगातार टपक रहा है. बदबू और गंदगी के कारण मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी हो रही है. बैठने के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं है. बैठने के स्थान पर भी पानी भरा हुआ है और कई कुर्सियां टूटी पड़ी हैं. वहीं, मरीजों और उनके परिजनों के लिए पेयजल की भी समुचित व्यवस्था नहीं होने की बात सामने आई है.

आंगनवाड़ी भवन के घटिया निर्माण का आरोप

- ग्रामीणों ने की जांच कर कार्रवाई की मांग की
- एक साल बाद भी अधूरा है निर्माणाधीन भवन

नवभारत न्यूज
चंदला, 2 सितंबर. ग्राम पंचायत रानीपुर के ग्राम जगतपुर के पास स्थित गडरियान पुरवा में निर्माणाधीन आंगनवाड़ी भवन की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं.

ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में निर्धारित मापदंडों की अनदेखी कर कथित तौर पर घटिया सामग्री इस्तेमाल किए जाने के आरोप लगाए हैं. ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण में इस्तेमाल किया गया मटेरियल इतना कमजोर है कि हाथ लगाने पर ही झड़ने लगता है. निर्माण कार्य को शुरू हुए करीब एक वर्ष बीत चुका है, लेकिन भवन अब तक पूरा नहीं हो सका है. निर्माण अधूरा होने के कारण आंगनवाड़ी केंद्र भी संचालित नहीं हो पाया है. ग्रामीणों का कहना है कि इससे छोटे बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्र की नियमित सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं.

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य की राशि निकाली जा चुकी है, इसके बावजूद भवन अधूरा पड़ा है. ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं. ग्रामीणों ने जांच कर कार्रवाई की मांग की है. इस मामले में चर्चा करने के लिए लवकुशनगर जनपद सीईओ भारती ठाकुर और लवकुशनगर एसडीओ ओपी दुबे से दूरभाष नंबर पर संपर्क किया गया लेकिन दोनों ने फोन नहीं रिसीव किया गया.